आई एक खबर

कहानी: शान्ति अग्रवाल
चित्र: सौम्या मेनन

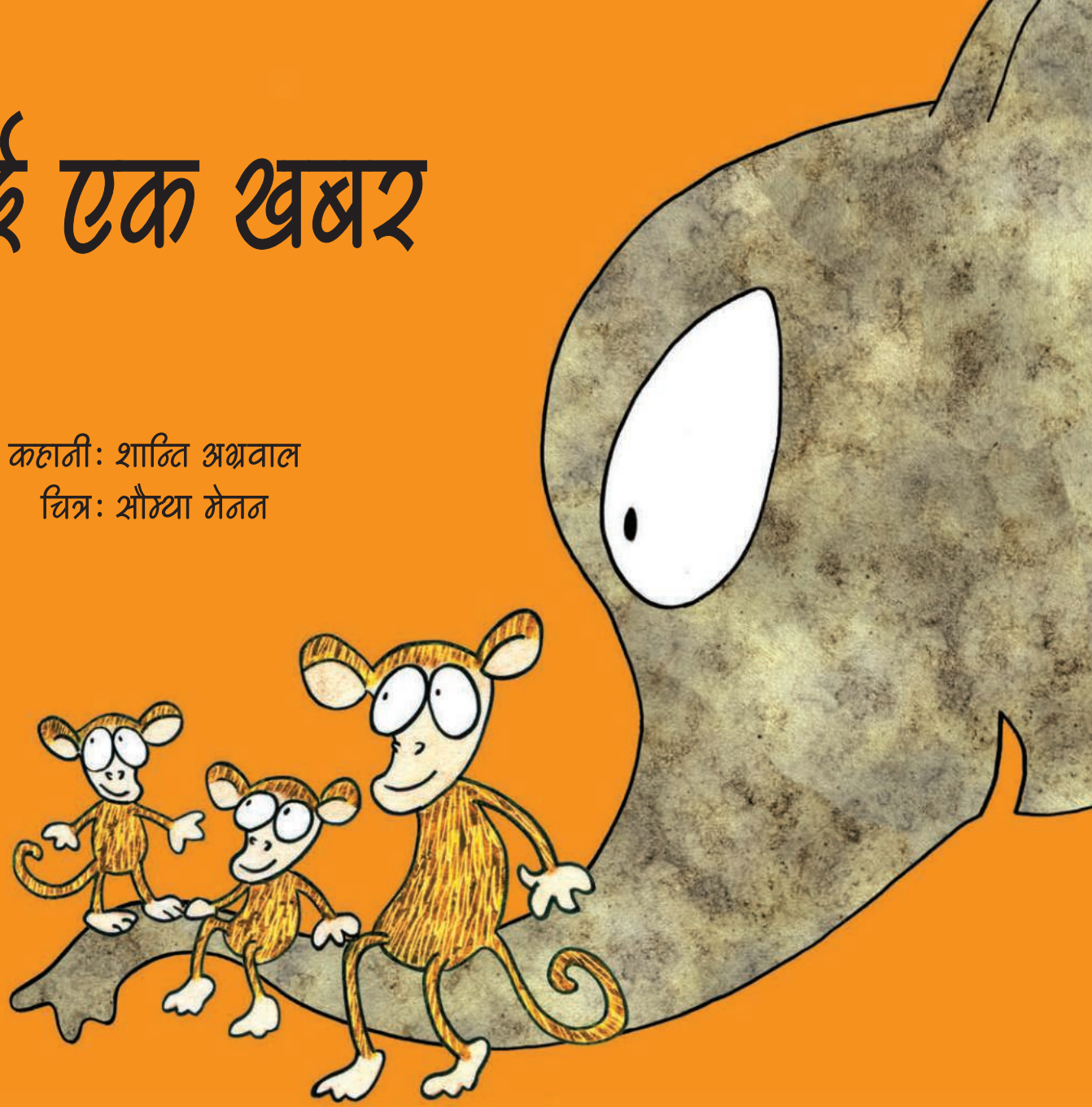

एकलव्य

आई एक खबर

कहानीः शान्ति अग्रवाल
चित्रः सौम्या मेनन

एकलव्य का प्रकाशन

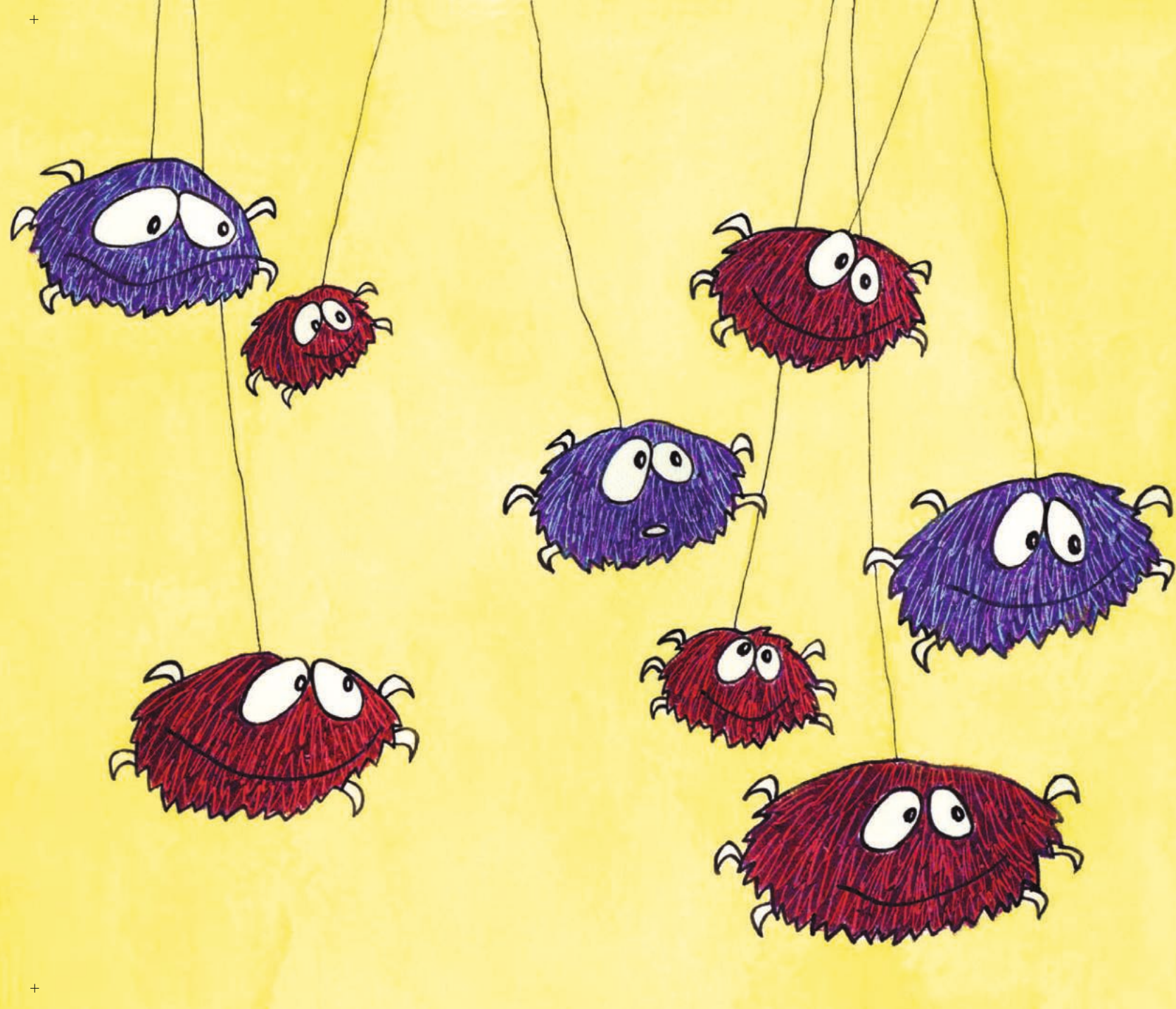

अभी खबर दिल्ली से आई,
मक्खी रानी उसको लाई।

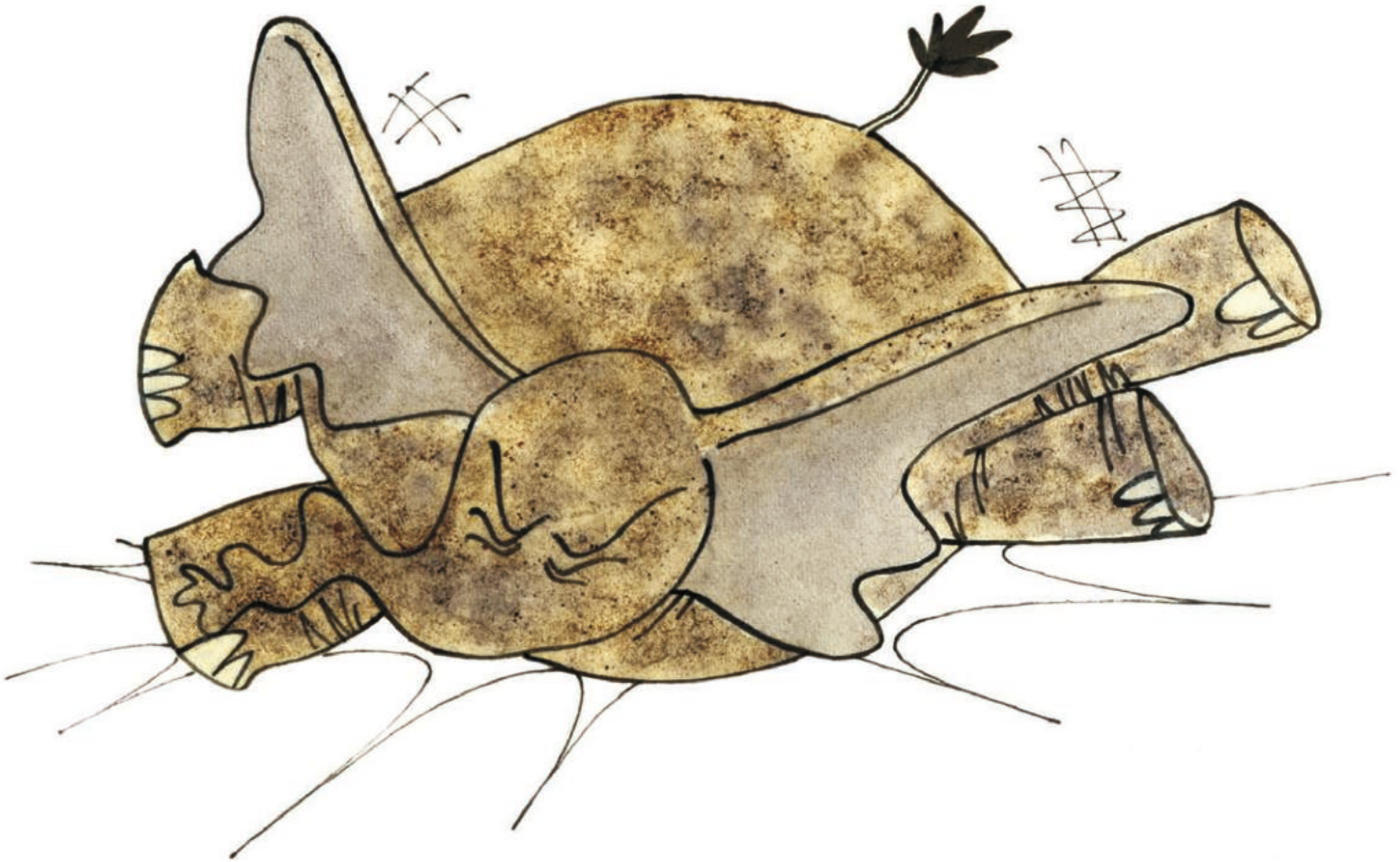

टिड्डे ने हाथी को मारा,
हाथी क्या करता बेचारा।

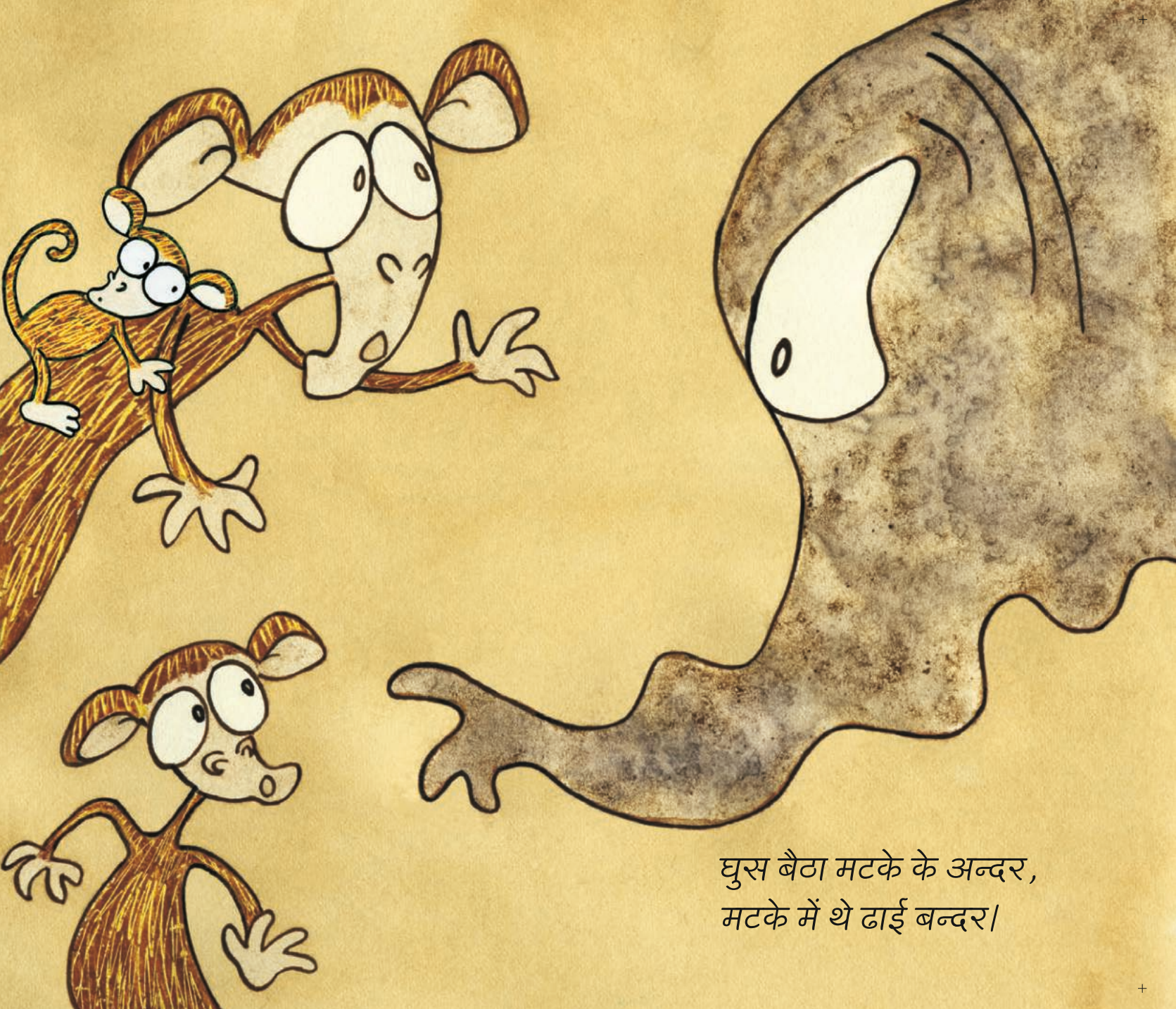

घुस बैठा मटके के अन्दर,
मटके में थे ढाई बन्दर।

उन्हें देखकर हाथी रोया,
रोते-रोते ही वह सोया।

रुकी न पर आँसू की धारा,
मटका बना समन्दर खारा।

लगे डूबने हाथी-बन्दर,
सबने शोर मचाया मिलकर।

उसको सुनकर आया मच्छर,
उसने लात जमाई कसकर।

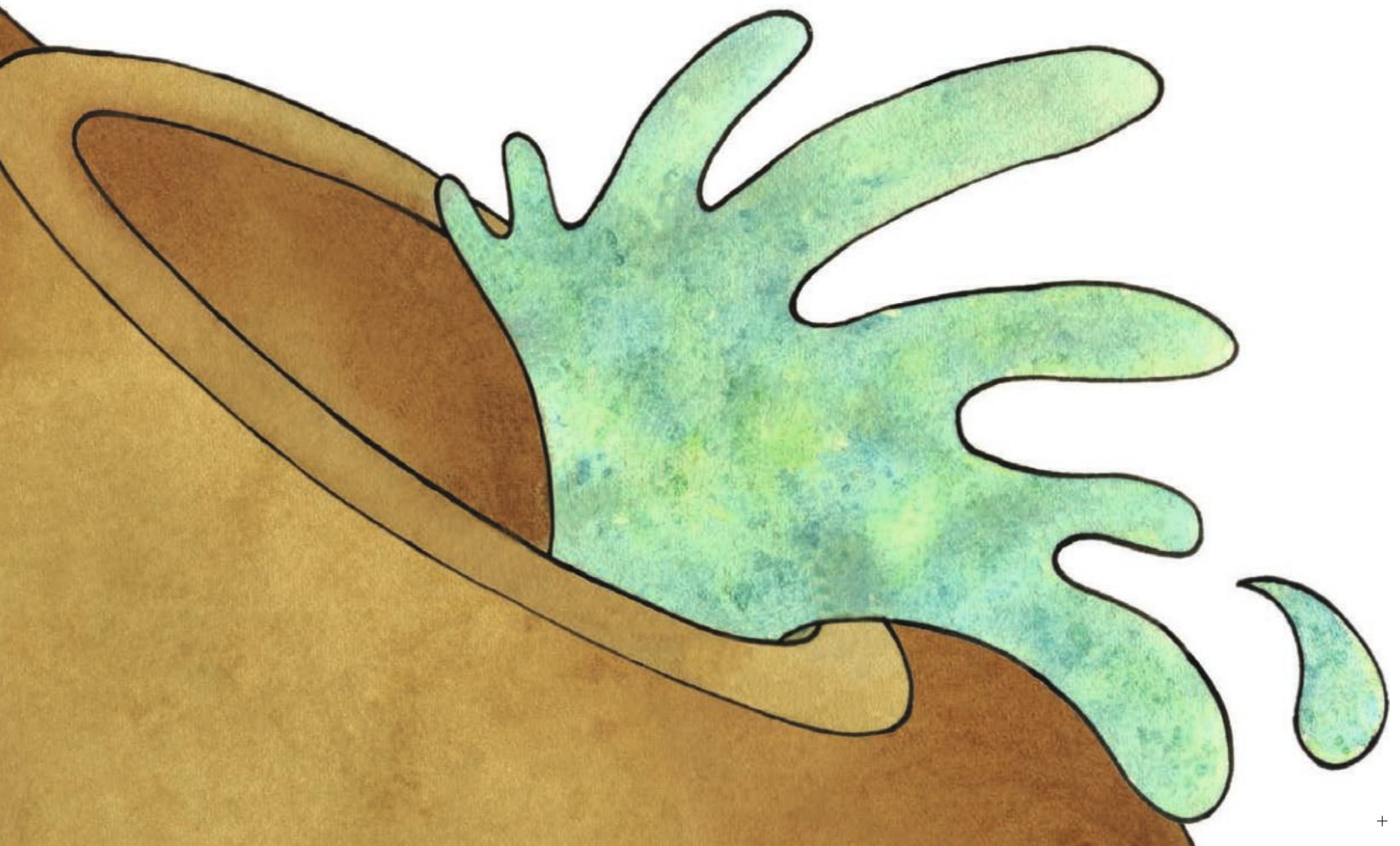

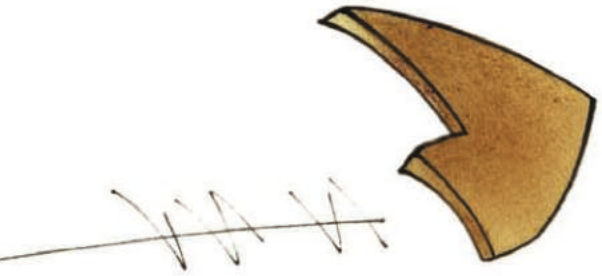

मटका फूटा, बहा समन्दर,
निकल पड़े सब हाथी-बन्दर।

आई एक खबर

AAI EK KHABAR

कविताः शान्ति अग्रवाल

चित्रः सौम्या मेनन

कविताः शान्ति अग्रवाल
चित्रः सौम्या मेनन
मई 2011 / 5000 प्रतियाँ
पराग इनिशिएटिव, सर रतन टाटा ट्रस्ट, मुम्बई के वित्तीय सहयोग से विकसित
कागज़ः 100 gsm मेपलिथो व 210 gsm पेपरबोर्ड (कवर)

ISBN: 978-81-89976-90-3
मूल्यः ₹ 30.00

प्रकाशकः एकलव्य

ई-10, शंकर नगर बी.डी.ए. कॉलोनी,
शिवाजी नगर, भोपाल - 462 016 (म.प्र.)
फोनः (0755) 255 0976, 267 1017
फैक्सः (0755) 255 1108
www.eklavya.in
सम्पादकीयः books@eklavya.in
किताबें मँगवाने के लिएः pitara@eklavya.in

मुद्रकः आर. के. स्कियुप्रिंट प्रा. लि. भोपाल, फोनः 2687589

आई एक खबर

अभी खबर दिल्ली से आई,
मक्खी रानी उसको लाई।

टिड्डे ने हाथी को मारा,
हाथी क्या करता बेचारा।

घुस बैठा मटके के अन्दर,
मटके में थे ढाई बन्दर।

उन्हें देखकर हाथी रोया,
रोते-रोते ही वह सोया।

रुकी न पर आँसू की धारा,
मटका बना समन्दर खारा।

लगे डूबने हाथी-बन्दर,
सबने शोर मचाया मिलकर।

उसको सुनकर आया मच्छर,
उसने लात जमाई कसकर।

मटका फूटा, बहा समन्दर,
निकल पड़े सब हाथी-बन्दर।

शान्ति अग्रवाल

शान्ति अग्रवाल

23 जुलाई 1920 को उत्तर प्रदेश के बरेली शहर में जन्म। एम.ए. (हिन्दी), साहित्य रत्न की उपाधि प्राप्त। 11 वर्ष की आयु से लेखन की शुरुआत। बच्चों और बड़ों के लिए साहित्य लिखा। *अगड़म-बगड़म* (बाल गीत), *राधा माधव* (गीत काव्य), *स्वतंत्रता संग्राम* (ऐतिहासिक काव्य), *जान आफत में* (बाल कहानी) समेत अनेक पुस्तकें प्रकाशित। हिन्दी अकादमी, दिल्ली द्वारा तीन बार बाल/किशोर साहित्य पुरस्कार के अलावा भी कई पुरस्कारों से सम्मानित। शान्ति जी को संगीत, अभिनय, सामाजिक कार्य तथा देश-विदेश की यात्रा करना प्रिय है।

सम्पर्कः द्वारा पूनम अग्रवाल, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, महिला अध्ययन विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., श्री अरविन्दो मार्ग, नई दिल्ली - 110016

सौम्या मेनन

नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिज़ाइन, अहमदाबाद से एनिमेशन फिल्म डिज़ाइन की पढ़ाई। किताबें पढ़ना बेहद प्रिय, साथ ही लेखन व चित्र बनाने का भी शौक। आजकल वह स्वतंत्र रूप से कार्यरत।

आई एक खबर

एक खबर के कारण मची खलबली...। खबर नहीं कोई ऐसी–वैसी, सोच भी नहीं सकते जैसी। शब्दों का कमाल, लय और ताल, कहानी में धमाल....

ISBN: 978-81-89976-90-3

9 788189 976903

मूल्य: ₹ 30.00

A0133H

एकलव्य

parag SRTT के वित्तीय सहयोग से विकसित